फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 44 प्रभात जयपुर, रविवार 14 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

For Nepal, China Is 'Na Khaate Na Nigalte'

China-Nepal relations have to be viewed from the 'changing world order' prism. The keys being, economic benefits, global influence, and national security

Got Flu! Stay Put

A Forgotten Cultural Encounter | When Greeks Spoke Kannada in Ancient Egypt

सुशीला कार्की के प्र.मंत्री बनने से भारत ने राहत की सांस ली

साफ दिख रहा है कि इस प्र.मंत्री पद के लिये कार्की के प्रतिद्वंदी दावेदार भारत के लिए भारी सिरदर्द साबित होते

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13, सितंबर। पड़ौसी देश नेपाल को नया प्रधानमंत्री मिल गया है, यह घटनाक्रम भारत-नेपाल संबंधों के भविष्य पर गहरा असर डाल सकता है। और खास बात यह है कि पहली बार किसी महिला ने यह पद संभाला है।

भारतीय प्रधानमंत्री ने उन्हें पदभार ग्रहण करने पर सबसे पहले बधाई दी और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों की कामना की। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों को बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है। तथापि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और नेपाल के बीच साझा रिश्तों और गहरे बंधनों को रेखांकित करने का अवसर नहीं छोड़ा।

जो विकल्प सामने थे, उन्हें देखते हुए भारतीय नेतृत्व के लिए श्रीमती सुशीला कार्की का चुना जाना राहत की बात रही होगी। प्रमुख दावेदारों में राजधानी के मेयर भी थे, जो कट्टर भारत-विरोधी माने जाते हैं और दावा करते रहे हैं कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बड़े हिस्से नेपाल के हैं और ज़रूरत पड़ी तो उन्हें ज़बरदस्ती वापस लिया जाना चाहिए।

कुछ अन्य नेता थे, जो चीन समर्थक थे और चीन के साथ घनिष्ठ संबंधों की वकालत कर रहे थे, जो कि भारत के हितों के विपरीत होता, जिसमें चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) जैसी परियोजनाओं की भागीदारी भी शामिल थी। ये ताक़तें भारत और नेपाल के बीच की आस्था, भाषा और सामाजिक परंपराओं जैसी गहरी निकटताओं को पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर रही थीं। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को एक नई तरह की सहमति प्रक्रिया से प्रधानमंत्री चुना गया। देश के युवा प्रदर्शनकारी एक गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म पर, जिसमें बातचीत की सुविधा भी उपलब्ध है, इकट्ठे हुए और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- काठमांडू के मेयर, जो प्रबल दावेदार थे, भारत विरोधी सोच व रवैये के लिए जाने जाते थे और उनका पूर्ण सोच व पक्का विश्वास था कि हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड का बड़ा हिस्सा नेपाल की भूमि है, जिसे नेपाल को वापस लेना चाहिए, अगर शांति से मिले तो ठीक, अन्यथा जबरन।
- बाकी दावेदार, चीन के पिछलग्गू थे, और चाहते थे, नेपाल व चीन के घनिष्ठ संबंध हों, चाहे इससे भारत का नुकसान होता है तो हो।
- सुशीला कार्की के प्र.मंत्री बनने से, भारत-नेपाल संबंधों में जो कर्कशता व खटास आई थी, वो अब दूर होने की संभावना है।
- पूर्व प्र.मंत्री के.पी. शर्मा ओली, भारत विरोधी थे तथा हमेशा चीन की तरफदारी में विश्वास करते थे। उनके शासन में हमेशा चीन को पूरा मौका मिला था, भारत विरोधी विष वमन के लिए।
- जब, सुशीला कार्की नेपाल के सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश थीं, तब उन्होंने सरकार, राजनीति व सभ्रांत वर्ग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा सख्त रूख रखा था तथा इन सभी ''ताकतों'' ने पलटवार करते हुए उनके खिलाफ महाभियोग (इम्पीचमैंट) का प्रस्ताव लाने का प्रयास किया था, इस घृणित अभियान से उनको भारी पीड़ा पहुँची थी और उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।
- अब वे ''ताकतें'' सुशीला कार्की के प्र.मंत्री बनने से काफी भयभीत हैं तथा पुनः संगठित होकर प्रहार करने का प्रयास करेंगी। अतः सुशीला कार्की के लिए यह पद काफी चुनौतीपूर्ण जिम्मेवारी रहेगी।

जयपुर एयरपोर्ट पर दो करोड़ का सोना जब्त

जयपुर, 13 सितम्बर। डायरेक्ट्रेट ऑफ रेवेन्यू इन्टेलिजेंस (डीआरआई) ने जयपुर एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए सऊदी अरब से आए यात्री के अंडर गारमेंट से दो करोड़ का सोना जब्त किया है। यात्री के अंडरवियर से पेस्ट के रूप में छिपाया गया 1.949 किलो सोना बरामद किया। मौके पर ही डीआरआई ने यात्री को गिरफ्तार किया और बाद में कोर्ट में पेश कर आरोपित को जेल भेज दिया।

- सऊदी से एक यात्री अंडर गारमेंट में सोना छुपाकर लाया था।

डीआरआई से मिली जानकारी के अनुसार, टीम को सूचना मिली थी कि एक यात्री सऊदी अरब के जेद्दा से तस्करी का सोना लेकर जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आ रहा है। डीआरआई टीम के अधिकारियों की ओर से जयपुर एयरपोर्ट पर संदिग्ध पर नजर रखी गई।

इस दौरान डीआरआई टीम ने एक यात्री को पकड़ा, जो जेद्दा सऊदी अरब से जयपुर आया था। जांच के दौरान, उसके अंडरवियर में पेस्ट के रूप में छिपाकर लाया गया सोना बरामद हुआ। यह सोना विदेशी मूल का था और जिसका वजन करीब 1.949 किलोग्राम और बाजार मूल्य लगभग 2.18 करोड़ रुपये आंका गया। डीआरआई टीम ओर से शनिवार को आरोपित यात्री को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश पर आरोपित यात्री को जेल भेज दिया गया।

राहुल गांधी ने ''हाइड्रोजन बम'' के विस्फोट की तारीख आगे बढ़ाई

पूर्व घोषित तिथि के अनुसार, राहुल गांधी ने ऐलान किया था कि 10 सितंबर को भाजपा की ''वोट चोरी'' के आरोप को सिद्ध करने के लिए बहुत जानकारियाँ उजागर करेंगे, जिससे देश की राजनीति में भारी धमाका होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 सितंबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी पार्टी द्वारा मेगा चुनावी धोखाधड़ी के सबूत के रूप में पेश किए जा रहे दस्तावेज़ के दूसरे भाग को उजागर करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस विस्तारित कार्यक्रम, जिसे कांग्रेस रणनीतिकारों ने हाईडोज़न बम नाम दिया है, का उद्देश्य विशेषज्ञों और राज्य इकाइयों से मिले इनपुट को और बेहतर ढंग से व्यवस्थित करना है, ताकि आरोपों को मजबूत और व्यापक तरीके से प्रस्तुत किया जा सके।

पहले उम्मीद की जा रही थी कि राहुल गांधी 10 सितंबर तक भाजपा और चुनाव आयोग को बेनकाब करने वाला एक बड़ा कार्यक्रम करेंगे, लेकिन विश्वसनीयता और प्रभाव को और मज़बूत बनाने के लिए तारीख को आगे बढ़ा दिया गया।

वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, कांग्रेस ने जो सबूत इकट्ठे किए हैं उन्हें ''फूल-प्रूफ'' बताया जा रहा है, जिनका मजबूत कानूनी आधार भी है। सूत्रों का कहना है कि यह डॉज़ियर सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के विवादास्पद उपयोग पर ही नहीं, बल्कि मतगणना प्रक्रिया और मतदाता सत्यापन की अनियमितताओं को भी उजागर करेगा। यह कदम राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के बाद उठाया गया है, जो हाल ही में बिहार में संपन्न हुई। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि यह यात्रा ''वोट चोरी'' के खिलाफ जनता के आक्रोश को सामने लाई है। यह मुद्दा हाल ही में आए सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद और भी तूल पकड़ गया है, जिसमें आधार को नागरिकता सिद्ध करने के लिए वैध दस्तावेज माना गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, अब यह 10 सितंबर की तारीख आगे बढ़ा दी गई, क्योंकि राहुल गांधी के समर्थकों के अनुसार, वे सभी राज्यों से, ''वोट चोरी'' के तथ्य इकट्ठे कर रहे हैं। राहुल गांधी का जोर इस बात पर है कि प्रमाण इतने ठोस व मजबूत होने चाहिए, जिससे न्यायालय भी उन्हें बेझिझक स्वीकार करे।
- कांग्रेस इस संदर्भ में न केवल इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का मुद्दा उठायेगी बल्कि, मतगणना व मतदाता के पहचान पत्र की प्रक्रिया में ''धांधली'' को भी उजागर करेगी।
- कांग्रेस का इस संदर्भ में विशेष ध्यान हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक व गुजरात में हुए चुनाव पर होगा। कांग्रेस प्र.मंत्री मोदी की सीट, बनारस पर विशेष ध्यान दे रही है। वाराणसी में हारे कांग्रेस के प्रत्याशी अजय रॉय ने वाराणसी के चुनाव के नतीजों पर सवालिया चिह्न लगाते हुए कहा कि सात राउण्ड तक वे गणना में आगे थे, पर फिर बिजली चली गई और मोदी को विजयी घोषित कर दिया गया।

विकास के लिए शांति जरूरी है, हिंसाग्रस्त मणिपुर को प्र.मंत्री का संदेश

प्र.मंत्री राहत शिविरों में भी लोगों से मिले और कहा, मणिपुर में आशा व भरोसे का नया सूरज उदय हो रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 सितंबर। मणिपुर में वर्ष 2023 में घाटी में दबदबा रखने वाले समुदाय और कुकी जनजातियों के बीच जातीय हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 260 से अधिक लोग मारे गए थे।

शनिवार को मणिपुर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ''मणिपुर के दरवाज़े पर नई सुबह दस्तक दे रही है।'' यह 2023 की हिंसा के बाद उनकी पहली मणिपुर यात्रा थी।

चुराचांदपुर में लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री एम मोदी ने कहा: ''मणिपुर की भूमि आशा और आकांक्षा की भूमि है। दुर्भाग्यवश, हिंसा ने इस सुंदर क्षेत्र पर अपनी परछाईं डाल दी थी। थोड़ी देर पहले, मैंने राहत शिविरों में रह रहे हिंसा प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उनसे मिलकर मैं विश्वास से कह सकता हूं कि मणिपुर में अब उम्मीद और विश्वास की नई सुबह हो रही है।''

मैतेई और कुकी समुदायों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनावों का कारण जमीन और सरकारी नौकरी के लिये उनके बीच की प्रतिस्पर्धा है। मानवाधिकारवादी ऐक्टिविस्टों का कहना है कि स्थानीय नेता अपने राजनैतिक लाभ के लिये जातीय विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं।

2023 में हिंसा के शुरुआती दौर में, राज्य में इंटरनेट सेवाएं कई महीनों तक बंद रहीं और सरकारी आँकड़ों के अनुसार, हिंसा के कारण लगभग 60,000 लोग बेघर हो गए। आज भी हजारों लोग लगातार चल रहे तनाव के कारण अपने घर नहीं लौट पाए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि केन्द्र सरकार हिंसा-पीड़ित मणिपुर में ''जीवन को पटरी पर लाने'' के लिए प्रयास कर रही है।

मोदी ने कहा, ''जहां भी विकास की जड़ें जमानी हों, वहां शांति अनिवार्य होती है। पिछले 11 वर्षों में, पूर्वोत्तर में कई संघर्ष और विवाद सुलझाए गए हैं। लोगों ने शांति का मार्ग चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है।'' हमें इस बात की संतुष्टि है कि पहाड़ और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मई 2023 में मणिपुर में कुकी और मैती समुदाय में भारी टकराव शुरु हो गया था, जिसमें 260 लोग मारे गए तथा अनेकों बेघर हो गए थे।
- हिंसा के इस दौर के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर गए हैं।

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से 7 वाहन क्षतिग्रस्त

बिलासपुर/शिमला, 13 सितंबर। हिमाचल प्रदेश में मौसम का कहर लगातार जारी है। बिलासपुर जिले की उप तहसील नम्होल के गांव गुतराहन में शनिवार सुबह बादल फटने से दो वाहन

- पानी का बहाव सड़क की तरफ मुड़ गया, वरना बिलासपुर के गुतराहन गांव में बड़ी तबाही हो सकती थी।

मलबे में दब गए और पांच क्षतिग्रस्त हुए हैं। क्षतिग्रस्त वाहनों को निकाल लिया गया है। मलबा आने से नम्होल-डाबर सड़क बंद हो गई। गनीमत रही कि पानी का बहाव सड़क की ओर मुड़ गया, अन्यथा गुतराहन गांव में बड़ी तबाही हो सकती थी। वहीं दो दिन से हो रही लगातार बारिश के कारण घुमारवीं में सीर खड्ड का जलस्तर बढ़ गया है। इस बरसात में यह सबसे ज्यादा है।

राज्य में शनिवार शाम तक भूस्खलन से तीन नेशनल हाईवे सहित, 561 सड़कें बंद रहीं। 237 बिजली ट्रांसफार्मर व 317 जल आपूर्ति स्कीमें भी प्रभावित हैं। कुल्लू जिले में 170, मंडी में 159, शिमला में 58, कांगड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल की संसद भंग, 5 मार्च को होंगे नए चुनाव

कार्की के शपथ ग्रहण के कुछ घंटों बाद राष्ट्रपति पौडेल ने घोषणा की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13, अगस्त। हिमालयी देश नेपाल में पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के कुछ ही घंटों बाद, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संसद भंग कर दी और 5 मार्च को चुनाव कराने की घोषणा की। ज्ञातव्य है कि नेपाल में एक सप्ताह से हिंसा का घातक दौर चल रहा था।

पौडेल के कार्यालय की ओर से शुक्रवार देर रात यह घोषणा की गई। उसके कुछ ही घंटे पहले उन्होंने यह भी ऐलान किया था कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की देश की अंतरिम प्रधानमंत्री होंगी। यह फैसला ''जनरेशन ज़ैड'' द्वारा शुरु किए गए भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों और पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली द्वारा मजबूरन दिये गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि नेपाल की नई प्रधानमंत्री सुशीला कार्की देश में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी। नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने पर सुशीला कार्की को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी नियुक्ति ''महिला सशक्तिकरण का एक उज्ज्वल उदाहरण'' है। मोदी ने मणिपुर की राजधानी में बोलते हुए कहा, ''मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से कार्की को बधाई देता हूँ। कार्की का नेपाल के सर्वोच्च पद पर होना महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। मुझे विश्वास है कि वे नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी।''

प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ''नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री बनने पर महामहिम श्रीमती सुशीला कार्की को मेरी शुभकामनाएं। भारत नेपाल के लोगों की शांति , प्रगति और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।''

मोदी की इन टिप्पणियों से एक दिन पूर्व ही कार्की ने राजनीतिक संकट और बड़े पैमाने पर हुए प्रदर्शनों के बाद, देश की अगुवाई के लिए शपथ ली थी।

- भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुशीला कार्की को बधाई दी और इसे महिला सशक्तिकरण का उदाहरण बताया। प्र.मंत्री ने सोशल मीडिया पर कार्की को बधाई संदेश दिया।
- कार्की ने अपने एक हालिया इन्टरव्यू में स्वयं को मोदी का प्रशंसक बताया था और भारत-नेपाल संबंधों पर कहा कि भारत ने हमेशा नेपाल की मदद की है, पर एक रसोई में चार बर्तन होते हैं तो टकराते भी हैं।
- कार्की नेपाल की पहली मुख्य न्यायाधीश थीं और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रूख के लिए जानी जाती हैं और इसीलिए नेपाल जैनरेशन ज़ैड ने उन्हें अंतरिम सरकार का मुखिया चुना है।

कार्की, जो एक भ्रष्टाचार विरोधी ऐक्टिविस्ट हैं नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं, ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। व्यापक विरोध-प्रदर्शन के बाद के.पी. शर्मा ओली द्वारा दिये गये इस्तीफे के बाद दिन बाद यह शपथ ग्रहण हुआ।

नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री का चयन उन समूहों द्वारा किया गया, जो भ्रष्टाचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगाम लगाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति कार्यालय में शपथ दिलाई गई।

हाल ही में एक साक्षात्कार में जब उनसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत से उनकी अपेक्षाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया: ''सबसे पहले, मैं मोदी जी को नमस्कार कहूंगी। मैं मोदी जी की प्रशंसक हूँ।

उन्होंने कहा कि सरकार से सरकार का संबंध ''एक अलग विषय'' है। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल के रिश्तों का एक लंबा इतिहास रहा है। ''भारत ने हमेशा नेपाल की मदद की है..... (लेकिन) एक कहावत है: जब रसोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर के कुकी विधायक प्रधानमंत्री मोदी से मिले

इंफाल, 13 सितंबर। मणिपुर के कुकी-जो समुदाय से जुड़े दस विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की है कि वे राज्य में जारी जातीय संघर्ष के जल्द राजनीतिक समाधान के

- उन्होंने राज्य में जातीय संघर्ष के राजनीतिक समाधान के लिये ज्ञापन दिया।

लिए दखल दें। प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर का दौरा किया। यह दौरा मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद पहली बार हुआ है। इस हिंसा में अब तक 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।

प्रधानमंत्री को सौंपे गए एक संयुक्त ज्ञापन में इन विधायकों ने कहा कि कुकी समुदाय को जातीय उत्पीड़न

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री की मणिपुर यात्रा पर मिली जुली प्रतिक्रियाएँ दिखाई दीं

जहाँ समर्थक इसे महत्वपूर्ण मोड़ बता रहे हैं, वहीं विरोधी इस यात्रा को ''डिज़ास्टर'' बता रहे हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13, सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आज मणिपुर दौरे पर आज गहन बहस छिड़ गई, यह 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा के बाद उनका पहला दौरा है। समर्थक इसे एक ऐसा कदम बता रहे हैं, जिससे हिंसा झेल चुके राज्य के जख्म भरने और लोगों के दर्द को कम करने का प्रयास होगा, जबकि आलोचक इसे केवल दिखावे और चुनाव से पहले छवि सुधारने का प्रचार मान रहे हैं

समर्थकों का तर्क है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 8,500 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की घोषणा की है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को मज़बूती दे सकती हैं और लोगों को राहत पहुँचाएंगी। इनमें सड़कें, नालियाँ, संपत्ति प्रबंधन सुधार जैसी आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाएँ और मणिपुर इंफोटेक डेवलपमेंट (माइंड) प्रोजेक्ट जैसे कदम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री का कुकी-बहुल चुराचांदपुर और मैतेई-बहुल इंफाल दोनों जगह जाना इस बात का संकेत है कि वे हिंसा से प्रभावित दोनों समुदायों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं। इसे एकता और मेल-मिलाप बढ़ाने की पहल के रूप में देखा जा रहा है।

समर्थकों को कहना है कि यह दौरा इसलिए भी अहम है, क्योंकि किसी भी मौजूदा प्रधानमंत्री ने ऐसी अशांति के बीच मणिपुर का दौरा पहले नहीं किया था। यह भविष्य के नेताओं के लिए एक मिसाल भी हो सकती है कि संकट की घड़ी में राज्य की भलाई को प्राथमिकता दी जाए।

लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह दौरा बस ''तीन घंटे का स्टॉप ओवर'' था, जो किसी वास्तविक बदलाव के लिए काफी नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दौरा संघर्ष की गहरी जड़ों को छूने और समस्या हल करने की दृष्टि से बेअसर है। आलोचकों ने कहा, हालाँकि मोदी के दौरे के दौरान, विकास से जुड़ी घोषणाएँ केन्द्र में रहीं, लेकिन सार्वजनिक सभाओं में पीड़ितों को न्याय देने से संबंधित किसी बड़ी नीति की घोषणा नहीं हुई। आलोचकों का मानना है कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी से न तो हिंसा के मूल कारणों पर चोट हुई और न ही समस्याओं के ठोस हल सुझाए गए, जिससे दौरे की विश्वसनीयता और असर कमज़ोर हो गया। प्रधानमंत्री का यह दौरा ऐसे समय हुआ, जब विपक्ष लगातार उन पर यह आरोप लगा रहा था कि मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदायों के बीच चले आ रहे जातीय संघर्ष, जिसमें 260 से अधिक लोग मारे गए और हज़ारों बेघर हुए, के बाद भी उन्होंने मणिपुर का दौरा नहीं किया।

कांग्रेस ने तुरंत मोदी के इस पिट स्टॉप दौरे की आलोचना की और इसे दिखावा बताया। पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अपने लिए भव्य स्वागत समारोह करवाया, जो मणिपुर के लोगों की पीड़ा के बीच असंवेदनशीलता दर्शाता है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा-अच्छा है कि उन्होंने दो साल बाद यह तय किया कि मणिपुर जाने लायक है। लेकिन उन्हें बहुत पहले जाना चाहिए था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने इतनी देर तक हालात को बिगड़ने दिया और सैकड़ों लोगों की जान चली गई। भारत के प्रधानमंत्रियों की परंपरा यह नहीं रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा-नरेन्द्र मोदी जी, मणिपुर में आपका तीन घंटे का पिट स्टॉप करुणा नहीं है, यह मज़ाक, दिखावा और जख्मी जनता का अपमान है। इंफाल और चुराचांदपुर में आपका कथित रोड शो वहाँ के राहत शिविरों में रो रहे लोगों की आवाज़ से भागने की कायराना कोशिश है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने संकट की घड़ी में अपने नागरिकों से सहानुभूति जताने के बजाय, 46 विदेश यात्राएँ कीं, जबकि मणिपुर की पिछली यात्रा उन्होंने जनवरी 2022 में चुनाव के दौरान की थी।

खड़गे ने कहा-आपका ''डबल इंजन'' मणिपुर की मासूम ज़िंदगियों को कुचल चुका है। यह चुपचाप किया गया पिट स्टॉप न तो पश्चाताप है और न ही अपराधबोध। आप अपने लिए भव्य स्वागत समारोह करवा रहे हैं। यह उन लोगों के जख्मों पर क्रूर चोट है, जो आपके द्वारा संवैधानिक ज़िम्मेदारियों से मुंह मोड़ने की वजह से अब भी पीड़ित हैं। आपके ही शब्दों में... आपका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मेघालय के पूर्व मु.मंत्री डीडी लापांग का निधन

शिलांग, 13 सितंबर। मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री डीडी लापांग का शिलांग स्थित बेथानी अस्पताल में कल रात

- वे 93 वर्ष के थे और काफी दिनों से बीमार थे।

निधन हो गया।

लापांग इस समय 93 वर्ष के थे और आयु-संबंधी बीमारी के कारण उनकी मृत्यु हो गई। उनके परिवार में उनकी पत्नी एमेथिस्ट लिंडा जोन्स ब्लाह और दो बच्चे हैं।

मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने लापांग के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये उन्हें जनता का एक सच्चा नेता बताया, जिनकी सार्वजनिक सेवा के प्रति दशकों तक प्रतिबद्धता रही। राज्य सरकार ने तीन दिवसीय राजकीय शोक घोषित किया है। सरकार 15 सितंबर को शिलांग में दिवंगत नेता का राजकीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)